प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है राज्य : राज्यपाल

आइआइएम रांची में शिक्षुता सम्मेलन का आयोजन, समावेशी व कौशल विकास पर दिया गया जोर

जासं, रांची : आइआइएम रांची और क्षेत्रीय कौशल विकास और उद्यमिता निदेशालय झारखंड ने शिक्षुता सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षुता अधिनियम 1961 के तहत शिक्षुता योजनाओं को बढ़ावा देना है। जिसमें राज्य में एक स्थाई कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह कार्यक्रम विवेकानंद सेमिनार हाल आइआइएम में आयोजित किया गया। वहीं आयोजकों ने आरडीएसडीई, जिला स्तरीय कौशल और शिक्षुता अधिकारियों, उद्योगों व राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों सहित हितधारकों के एक विविध समूह को एक साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए।

राज्यपाल ने कहा कि 2018 में शुरू की गई भारतीय कौशल विकास सेवा के बारे में बात करते बहुत खुशी हो रही है। इसकी मदद से युवाओं की मांग-आधारित स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग के माध्यम से भारत को दुनिया का स्किल हब बनाने की दिशा में काम करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यह सेवा विभिन्न संगठनों के बीच अभिसरण और तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश के जनसांख्यिकीय लाभांश की क्षमता का लाभ उठाने में अत्यधिक मदद करेगी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के द्वारा क्षेत्रीय कौशल विकास और उद्यमिता निदेशालय राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। झारखंड अपार संभावनाओं वाला, प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध और युवा और गतिशील कार्यबल वाला राज्य है। अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए हमें इन अवसरों को हासिल करने पर ध्यान देने की जरूरत है। मौके पर पद्मश्री अशोक भगत भी प्रमुख अतिथियों के तौर पर शामिल रहे। उन्होंने ग्रामीण और समावेशी विकास और आदिवासियों के कौशल विकास के पहलुओं पर जोर दिया।

आइआइएम के शिक्षुता सम्मेलन को संबोधित करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन • जागरण

आरडीएसडीई युवाओं को कुशल बनाने के लिए कर रहा है काम

आरडीएसडीई आत्मनिर्भर और युवाओं को कुशल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। जो आर्थिक विकास और विकास में योगदान देगा। शिक्षुता उद्योग-संबंधित कौशल और ज्ञान और नौकरी से संबंधित कौशल, रोजगार कौशल प्राप्त करने के तरीकों में से एक है। जिला स्तर पर कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह युवा, गतिशील व्यक्तियों को कौशल विकास बढ़ाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की संकल्प परियोजना के तहत फेलोशिप कार्यक्रम की पेशकश की सराहना होनी चाहिए। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में यह अनिवार्य है कि हम अपने युवाओं को उनके चुने हुए करियर में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करें।

इन्होंने ये कहा

- आइआइएम के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के महत्वपूर्ण संगम व राज्य के लिए एक सतत कौशल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और मजबूत करने के लिए उनके बीच आवश्यक समन्वय के बारे में बात की। उन्होंने एमजीएनएफ कार्यक्रम का भी उल्लेख किया। झारखंड व तमिलनाडु राज्य के लिए आइआइएम रांची द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- एमएसडीई की सचिव सोनल मिश्रा ने सभी विभिन्न योजनाओं के बारे में बात की जो केंद्र सरकार ने वर्षों से बनाई हैं। जमीन पर उनका प्रभाव और निकट भविष्य में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र पर होने वाले विमर्श के बारे में बात की। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा किए जा रहे अभिसरण के प्रयासों पर भी जोर दिया।
- आरडीएसडीई के निदेशक एनआर अरविंदन ने वर्तमान समय में शिक्षुता योजनाओं के महत्व पर जोर दिया और राज्य में कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने में आरडीएसडीई की भूमिका की जानकारी दी।

Dainik Jagran, 04.05.2023, Pg.4